# समाजशास्त्र तथा इतिहास व मनोविज्ञान

## (Sociology and History & Psychology)

**डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय**

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

# समाजशास्त्र

- **अगस्त कॉम्टः** *'समाजशास्त्र सामाजिक व्यवस्था एवं प्रगति का विज्ञान है।'*
- **ऑगबर्न एवं निमकॉफः** *'समाजशास्त्र मनुष्य के सामाजिक जीवन के अध्ययन का विज्ञान है।'*
- **डॉन मार्टिण्डेलः** *'मानव प्रकृति से दार्शनिक है, तो स्वभावतः वह समाजशास्त्री भी है क्योंकि सामाजिक जीवन उसका स्वाभाविक उद्देश्य है।'*
- **पितरिम सोरोकिनः** *'समाजशास्त्र सामाजिक-सांस्कृतिक घटनाओं के सामान्य स्वरूपों, प्रकारों तथा अनेक अंतर्संबंधों का सामान्य विज्ञान है।'*
- **डी. पी. मुखर्जीः** *'समाजशास्त्र परंपराओं का अध्ययन है।'*
- **अगस्त कॉम्टः** *'समाजशास्त्र समस्त विज्ञानों की रानी है।'*

# समाजशास्त्र: एक समाज विज्ञान

# समाजशास्त्र तथा इतिहास

**जी. ई. हावर्ड**: *“इतिहास अतीत का समाजशास्त्र है जबकि समाजशास्त्र वर्तमान का इतिहास।”*

**जॉन सीली:** *“समाजशास्त्र के बिना इतिहास का कोई अर्थ नहीं; इतिहास के बिना समाजशास्त्र का कोई आरंभ नहीं।”*

**मानव व्यवहारों का वैज्ञानिक अध्ययन**

↑

**समाजशास्त्र**

**अतीत की घटनाओं का अध्ययन**

↑

**इतिहास**

# समाजशास्त्र तथा इतिहास: अंतर्संबंध

- सामाजिक परिवर्तन, विकास तथा समाज की परिवर्तनशीलता को व्याख्यायित करने हेतु समाजशास्त्र को इतिहास की आवश्यकता पड़ती है तथा अतीत को व्याख्यायित करने हेतु सामाजिक पहलुओं (समाजशास्त्रीय अवधारणाओं) की आवश्यकता होती है।
- इतिहास परिवर्तन की सावधानीपूर्वक जांच और विश्लेषण करने के लिए संदर्भ व प्रासंगिक उपकरण का एक ढांचा प्रदान करता है। इस प्रकार समाजशास्त्र और इतिहास दोनों ही वास्तविकता का संज्ञान करने हेतु एक दूसरे पर निर्भर हैं।
- समाजशास्त्र ऐतिहासिक विश्लेषण व व्याख्याओं के माध्यम से प्राचीन/पुरानी परंपराओं, संस्कृति, सभ्यताओं, समूहों और संस्थानों के विकास का अध्ययन करता है।
- समाजशास्त्रीय सिद्धांतों का विकास 19वीं और 20वीं शताब्दी के ऐतिहासिक विकास में पाया जाता है। विशेष रूप से, समाजशास्त्रीय सिद्धांत बौद्धिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक वातावरण के उत्पाद रहे हैं जिसके भीतर वे विकसित हुए थे। उदाहरण के लिए, ज्ञानोदय उल्लेखनीय बौद्धिक विकास का काल।

# समाजशास्त्र तथा इतिहास: अंतर

| समाजशास्त्र | इतिहास |
| --- | --- |
| • विभिन्न घटनाओं में समानता की तलाश | • समान घटनाओं में भिन्नता की तलाश |
| • घटनाओं के प्रारूप (Pattern) पर केंद्रित | • घटनाओं, व्यक्तित्व पर केंद्रित |
| • विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य | • विवरणात्मक परिप्रेक्ष्य |
| • सामान्यता की ओर अग्रसर (आगमनात्मक) | • विशिष्टता की ओर अग्रसर (निगमनात्मक) |
| • प्रतिमानों, मूल्यों द्वारा संचालित | • प्रतीकों की व्याख्या से संचालित |

# समाजशास्त्र तथा इतिहास

- **अगस्त कॉम्ट:** त्रिस्तरीय नियम
- **हर्बर्ट स्पेंसर:** सैनिक तथा औद्योगिक समाज
- **कार्ल मार्क्स:** ऐतिहासिक भौतिकवाद
- **ईमाइल दुर्खीम:** समाज का उद्विकास- यांत्रिक तथा सावयवी एकता; आत्महत्या
- **मैक्स वेबर:** धर्म संबंधी विचार
- **लुईस ड्यूमा व जी. एस. घुर्ये:** भारतशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (Indology)

# समाजशास्त्र तथा मनोविज्ञान

**समाजशास्त्र:** समाज का विज्ञान

**मनोविज्ञान:** व्यवहार का विज्ञान

**जिंसबर्ग नडाल:** समाजशास्त्रीय अध्ययनों को मनोवैज्ञानिक व्याख्याओं के माध्यम से अधिक बेहतर स्वरूप प्रदान किया जा सकता है।

**विभिन्न संस्कृतियों व समाजों का वैज्ञानिक अध्ययन**

↑

**समाजशास्त्र**

**व्यवहार तथा मानसिक प्रक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन**

↑

**मनोविज्ञान**

# समाजशास्त्र तथा मनोविज्ञान: अंतर्संबंध

**टालकाट पारसंस:** *'मनोविज्ञान व्यवहार की प्राथमिक प्रक्रियाओं, जैसे संज्ञान, सीख तथा स्मरण से संबंधित है।'*

समाजशास्त्र सामाजिक व्यवस्था का अध्ययन करता है तथा मनोविज्ञान मानसिक व्यवस्था का अध्ययन करता है।

**मनोविज्ञान**
व्यवहारों का वैज्ञानिक अध्ययन (व्यक्ति विशेष पर केंद्रित)

+

**समाजशास्त्र**
व्यवहारों व अंत:क्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन (समाज पर केंद्रित)

=

**सामाजिक मनोविज्ञान**
सामूहिक व्यवहारों का वैज्ञानिक अध्ययन

# समाजशास्त्र तथा मनोविज्ञान: अंतर

**समाजशास्त्र**

- मानव समाज की संरचना, प्रकार्य तथा विकास का वैज्ञानिक अध्ययन
- संपूर्णता के रूप में मानव समाज तथा सामाजिक संबंधों का अध्ययन
- व्यापक अध्ययन क्षेत्र

**मनोविज्ञान**

- मानव मस्तिष्क के व्यवहारों तथा उनके प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन
- व्यक्तिगत तौर पर मानव मस्तिष्क तथा उसके व्यवहारों का अध्ययन
- अपेक्षाकृत सीमित अध्ययन क्षेत्र

# समाजशास्त्र तथा मनोविज्ञान

- **ईमाइल दुर्खीम:** आत्महत्या एक मनोवैज्ञानिक घटना नहीं है, जबकि यह सामाजिक विचलन का परिणाम है।
- **मैक्स वेबर:** व्याख्यात्मक समाजशास्त्र
- **सी. एच. कूले:** आत्मदर्पण का सिद्धांत
- **जी. एच. मीड:** 'मैं' तथा 'मुझे' का सिद्धांत
- **जॉर्ज सीमेल:** अंतःक्रिया का स्वरूप (औपचारिक तथा अनौपचारिक)
- **अल्फ्रेड वीरकान्त:** मानव का सामाजिक व मनोवैज्ञानिक व्यवहार
- **लियोपॉर्ड वानवीज:** मानवीय व्यवहार (साहचर्य तथा असामाजिक)

# धन्यवाद !